

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 23 September 2026

एशिया कप की बेइज्जती का ठेस पाकिस्तान को अभी तक याद, साउथ अफ्रीका के खिलाड़ियों से हुई हाथ मिलाने की घटना ने फिर छेड़ी पुरानी याद

Publisher

Published on 16 Oct 2025



क्रिकेट जगत में भारत और पाकिस्तान के बीच की प्रतिद्वंद्विता हमेशा से चर्चा का विषय रही है। एशिया कप के दौरान भारत से मिली करारी हार और मैच के बाद हाथ ना मिलाने का मामला अब तक पाकिस्तान के क्रिकेट प्रेमियों और पूर्व खिलाड़ियों के लिए एक गहरी याद बनकर रह गया है। हाल ही में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले गए मुकाबले में यह पुरानी घटना फिर से लाइमलाइट में आ गई।

पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ियों ने इस मुद्दे को याद करते हुए कहा कि भारत के खिलाफ मिली हार और खेल भावना के उस समय के संकेत ने टीम पर असर डाला। उनका कहना है कि क्रिकेट केवल स्कोर और विकेट तक सीमित नहीं है, बल्कि **खेल भावना और सम्मान** भी उतना ही महत्वपूर्ण है। एशिया कप में हाथ ना मिलाने की घटना ने उस समय पाकिस्तान टीम की छवि पर सवाल खड़ा किया।

हाल के मैच में साउथ अफ्रीका के खिलाड़ियों ने सभी विरोधी खिलाड़ियों से हाथ मिलाया, और यह घटना पाकिस्तान क्रिकेट में **पुरानी खटास और भावनाओं को याद दिला गई**। इस दौरान पाकिस्तान के खिलाड़ियों और पूर्व खिलाड़ियों ने इस मुद्दे पर चर्चा की और कहा कि भारत के साथ मुकाबलों में ऐसे पल टीम के मनोबल और फैंस के दृष्टिकोण को प्रभावित करते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि क्रिकेट में प्रतिस्पर्धा तो होती रहती है, लेकिन **खेल भावना का सम्मान और जीत के बाद व्यवहार** भी महत्वपूर्ण होता है। भारत के खिलाफ एशिया कप में हाथ ना मिलाने की घटना ने पाकिस्तान क्रिकेट फैंस में काफी विरोध और निराशा पैदा की थी। यही कारण है कि पाकिस्तान के खिलाड़ी और पूर्व क्रिकेटर इसे अब भी याद रखते हैं।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ हालिया मुकाबले में यह पुरानी घटना फिर से चर्चा में आई, जब पूर्व पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने कहा कि क्रिकेट केवल जीतने या हारने का नाम नहीं है, बल्कि **मैच के बाद सम्मान और खेल भावना बनाए रखना** भी उतना ही महत्वपूर्ण

है। उन्होंने जोर दिया कि भारतीय टीम और अन्य अंतरराष्ट्रीय टीमों हमेशा खेल भावना के उच्च मानदंडों का पालन करती हैं, और यही पाकिस्तान टीम के लिए सीख का विषय हो सकता है।

क्रिकेट फैस ने भी इस मामले पर अपनी प्रतिक्रियाएँ दीं। कई यूज़र्स ने लिखा कि भारत-पाकिस्तान मुकाबले हमेशा भावनात्मक और उत्साहपूर्ण होते हैं, लेकिन खेल भावना बनाए रखना हर खिलाड़ी का कर्तव्य है। कुछ ने यह भी कहा कि पाकिस्तान को एशिया कप में मिली हार और हाथ ना मिलाने जैसी घटनाओं से सीख लेनी चाहिए और भविष्य में इसे दोहराने से बचना चाहिए।

विशेषज्ञों का मानना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच की इस पुरानी खटास का असर केवल फैस तक ही सीमित नहीं है। यह घटना खिलाड़ियों के मनोबल, टीम की छवि और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पाकिस्तान की प्रतिष्ठा पर भी प्रभाव डालती है। इसलिए अब पाकिस्तान टीम को न केवल तकनीकी और रणनीतिक सुधार पर ध्यान देना होगा, बल्कि **खेल भावना और सम्मान पर भी ध्यान देना जरूरी है।**

हालांकि, क्रिकेट विश्लेषकों ने यह भी कहा कि साउथ अफ्रीका के खिलाड़ियों ने जिस तरह सभी से हाथ मिलाया, उससे यह संदेश गया कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में **समान व्यवहार और सम्मान** को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। पाकिस्तान को अब यह समझना होगा कि खेल में हार और जीत तो स्वाभाविक हैं, लेकिन हर मैच के बाद सम्मान और खेल भावना बनाए रखना टीम की प्रतिष्ठा के लिए जरूरी है।

कुल मिलाकर, एशिया कप की वह पुरानी घटना पाकिस्तान के लिए आज भी एक **सिखावन और चेतावनी** के रूप में मौजूद है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ हालिया मैच में इस मुद्दे का फिर उठना यह दर्शाता है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में **मानवता, सम्मान और खेल भावना** का महत्व हार और जीत से कहीं अधिक है।

यह समय पाकिस्तान के लिए सोचने और सीखने का है कि **खेल के मैदान पर हमेशा न सिर्फ जीत, बल्कि सम्मान और सौहार्द बनाए रखना** उनकी प्रतिष्ठा और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सम्मान को बनाए रख सकता है। भारतीय टीम के साथ एशिया कप की हार और हाथ ना मिलाने का मामला, अब भी पाकिस्तान के क्रिकेट इतिहास में याद किया जाता है, और यह आने वाले मुकाबलों में भी टीम के लिए एक महत्वपूर्ण सीख है।